Dainik Bhaskar (Indore), 20th August 2025, Page- 05

आईआईटी इंदौर में सांसद लालवानी ने किया विद्यार्थियों व प्रोफेसरों से संवाद

युवाओं की मदद लेकर तकनीक और शोध से दोगुनी की जा सकेगी शहर की जीडीपी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में आईआईटी इंदौर की अहम भूमिका

आईआईटी इंदौर में मंगलवार को संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें इंदौर को वर्ष 2030 तक देश को रहने योग्य सर्वश्रेष्ठ शहर बनाने और आर्थिक दृष्टि से मजबूत करने पर संवाद किया गया। सांसद शंकर लालवानी ने प्रोफेसरों और छात्रों से चर्चा कर शहर की जीडीपी डबल करने की दिशा में तकनीक, शोध और युवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा, हमारा उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे के विकास नहीं, बल्कि जीडीपी आधारित सोच से विकास का नया मॉडल तैयार करना है। युवाओं को स्टार्टअप, रिसर्च आधारित उद्योग और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा आने वाले समय में आईआईटी इंदौर के सहयोग से टेक्नोलॉजी-आधारित कार्यशालाएं और पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। छात्रों ने रोजगार, स्टार्टअप संस्कृति, पर्यावरण, लोकल मैन्युफैक्चरिंग जैसे मुद्दों पर विचार रखे। इस पर सांसद लालवानी ने विश्वास दिलाया कि इन विचारों को विकास की योजनाओं में शामिल किया जाएगा।

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने कहा, किसी लोकसभा क्षेत्र की जीडीपी डबल करने का यह विचार अभिनव और दूरदर्शी है। तकनीक, नवाचार और अपस्किलिंग से इंदौर नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है और इसमें आईआईटी इंदौर की अहम भूमिका हो सकती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. जयंतीलाल भंडारी, प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट के डॉ. दीपक जारोलिया व चिन्मय मांजरेकर, सांसद सेवा संकल्प के अनिल भंडारी, अजय जैन, अनुराग सिकरवार, आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर तथा छात्र-शोधकर्ता उपस्थित थे।